अव्यवस्था | मानस भवन, भंवरताल एवं सिविक सेंटर में मौजूद है मल्टी लेवल पार्किंग

मल्टी लेवल पार्किंग के बावजूद सड़कों पर खड़े हो रहे वाहन

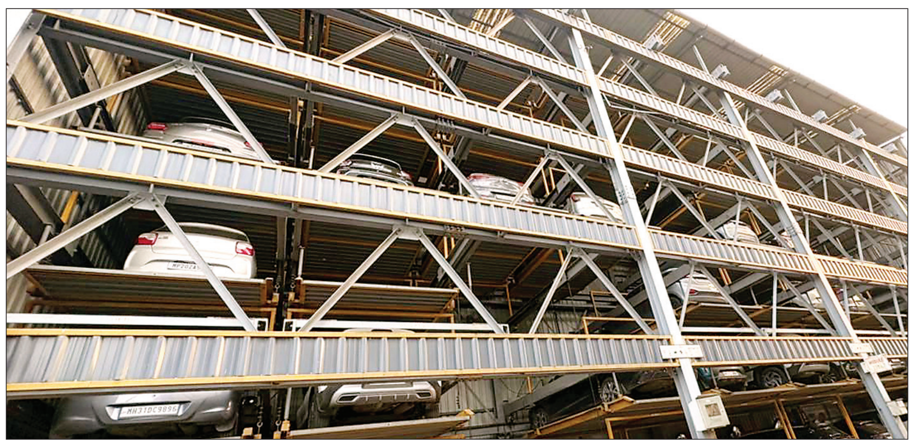

जबलपुर, नवभारत। शहर की सड़कों पर रोज़ जाम लग रहा है। कारण इन पर खड़े वाहनों की संख्या है। ज्ञात हो कि मानस भवन स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस परिसर में शहर की सबसे पुरानी मल्टी लेवल पार्किंग बनाई गई थी। करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह पार्किंग लगभग 11-12 साल पुरानी हो चुकी है। यहां कुल 37 गाड़ियां पार्क की जा सकती हैं। शहर में मल्टी लेवल पार्किंग की शुरुआत इसी परिसर से हुई थी।

बाजार क्षेत्र में सुविधा

सिविक सेंटर स्थित मल्टीलेवल पार्किंग करीब 8 साल पुरानी है। लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस पार्किंग में 87 वाहनों को पार्क करने की सुविधा उपलब्ध है। व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र होने के बावजूद यहां कई लोग पार्किंग का उपयोग करने के बजाय सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं।

भंवरताल पार्किंग : सबसे ज्यादा वाहनों की क्षमता

भंवरताल क्षेत्र में बनाई गई मल्टी लेवल पार्किंग शहर की बड़ी पार्किंग सुविधाओं में शामिल है। करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस पार्किंग में लगभग 100 गाड़ियां पार्क हो सकती हैं। प्रमुख इलाके में होने के बावजूद सड़क किनारे पार्किंग की समस्या यहां भी बनी रहती है।

संचालन और टेंडर प्रक्रिया

जानकारी के अनुसार भंवरताल मल्टी लेवल पार्किंग के संचालन का कार्य रामा एंटरप्राइजेज को दिया गया है। इस पार्किंग का टेंडर वर्ष 2017 में जारी हुआ था और 2018 में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसे शुरू कर दिया गया था। जिस कंपनी ने इसका निर्माण किया था, उसी कंपनी ने करीब 5 साल तक इसका संचालन भी संभाला।

टिकट और पार्किंग शुल्क की जानकारी

तीनों मल्टी लेवल पार्किंग में वाहन पार्किंग के शुल्क समान रखे गए हैं। 4 घंटे तक वाहन पार्क करने पर 30 रुपये का शुल्क लिया जाता है। इसके बाद हर अतिरिक्त घंटे पर 10 रुपये बढ़ जाते हैं। वहीं पूरे एक दिन के लिए वाहन पार्क करने पर 240 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। वही तीनों पार्किंग के ऑपरेटर्स का कहना है कि पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद कई लोग बाहर सड़क किनारे वाहन खड़े कर चले जाते हैं। इससे ट्रैफिक प्रभावित होता है और जाम जैसी स्थिति बनती है। उनका कहना है कि यदि लोग मल्टी लेवल पार्किंग का सही उपयोग करें तो शहर की यातायात व्यवस्था काफी बेहतर हो सकती है।

इनका कहना है

जबलपुर में फिलहाल सिर्फ तीन जगहों पर ही मल्टी लेवल पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। पार्किंग व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए हर तीन महीने में मेंटेनेंस कार्य भी कराया जाता है, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

रवि राव
प्रशासनिक अधिकारी, स्मार्ट सिटी

बाइकों में भिड़ंत, सास की मौत, दामाद बचा

जबलपुर । मझौली थाना अंतर्गत मुडकुरु में मंगलवार को बाइकों में भिड़ंत हो गई। हादसे में सास की मौत हो गई जबकि दामाद बाल-बाल मच गया। पुलिस के मतुताबिक सुनील चौधरी 40 वर्ष निवासी हथियागढ थाना बहोरीबंद जिला कटनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मंगलवार ग्राम सिंगपुर सलैया से मोटर सायकल में अपनी सास भागवती बाई 70 वर्ष निवासी ग्राम भजिया थाना जबेरा जिला दमोह को बैठाकर गांव हथियागढ जाने के लिए करीब 10:45 बजे चला था, जैसे ही मुडकुरु ग्राम में आम के पेड के पास पहुंचा तो सामने से एक मोटर सायकल वाला तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक सामने से चलाकर आया और उसकी मोटर सायकल में सामने से टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से वह और सास मोटर सायकल सहित वहीं रोड पर गिर गए। एक्सीडेंट से सास भागवती बाई को दोनों पैर के पंजे, सीने एवं दोनों हाथ की कलाई में चोटें आई हैं। उसे चोटें नहीं आई हैं, मोटर सायकल वाला अपनी मोटर सायकल लेकर रानीताल की ओर भाग गया था, शासकीय अस्पताल मझौली में सास श्रीमति भागवती बाई को प्रारंभिक ईलाज के बाद मेडीकल कालेज जबलपुर रेफर कर दिया था, रेफर होने कुछ ही देर बाद सास भागवती बाई की मौत हो गई।

जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के सामने रखे लापरवाही के मुद्दे

बरगी क्रूज हादसे के संबंध में दायर तीन याचिकाओं का निराकरण करते हुए हाईकोर्ट दिये निर्देश

जबलपुर। बरगी क्रूज हादसे में लापरवाही के कारण हुई 13 से 15 यात्रियों के मौत के खिलाफ हाईकोर्ट में तीन जनहित दायर की गयी थी। याचिका में राहत चाही गयी थी कि घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने घटना को दुखत करार देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटना घटित नही होनी चाहिये। युगलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए कहा है कि याचिकाकर्ताओं को निर्देशित किया है कि याचिकाओं में उठाए गए मुद्दों को घटना की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें।

नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ जी पी मिश्रा सहित दो अन्य की तरफ से बरगी क्रूज हादसे को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि पर्यटन विभाग सुरक्षा मानकों की अनदेखी की पर्यटकों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है। पर्यटन विभाग सुरक्षा मानक का पालन करता तो यह घटना घटित नहीं होती। क्रूज का एक इंजन खराब था और येलो अलर्ट की जानकारी पायलट को नही दी गयी थी। एनजीटी के आदेष के अवहेलना करते हुए बरगी बांध में पर्यटन विभाग के द्वारा क्रूज का संचालन किया जा रहा था। क्रूज में लाइफ सेविंग जैकेट में अलमारी में लॉक कर रखा गया था। क्रूज जब डूबने लगा तो यात्रियों को जैकेट दी गयी। क्रूज में बच्चों के नाम की जैकेट नहीं थी और जो जैकेट थी वह घटिया स्तर की थी। हादसे में जैकेट पहने व्यक्तियों की डूबने से मौत हुई है। पर्यटन विभाग वर्तमान में पर्यटन विभाग के एमडी पद पर पदस्थ व्यक्तियों को इंदौर दूषित जल मामले में लापरवाही के कारण हटाया गया था। याचिका की सुनवाई के दौरान वरिष्ट अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि घटनास्थल के समीप ही पुल निर्माण में लगे मजदूरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर क्रूज में सवार यात्रियों की जान बचाई। मजदूरों के कारण ही कई क्रूज यात्री सूचित बच गये वरना मृतक की संख्या लगभग दोगुना से अधिक होती। याचिका में राहत चाही गयी थी कि घटना के लिए संबंधित दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिये। जिन्हें आईएसआई तथा बीआईएस मानक की लाइफ जैकेट की खरीदारी नहीं की। इसके अलावा अपना खराब व उम्र पूरी कर चूके क्रूज का संचालन करवा रहे थे। याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से घटना को दुखत बताते हुए कहा गया कि जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग का गठन किया गया है। न्यायिक आयोग तीन माह में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करेंगा। न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

हाईकोर्ट में आज से ओबीसी आरक्षण मामले की अंतिम स्तर की सुनवाई

मप्र हाईकोर्ट में आज बुधवार 13 मई से ओबीसी आरक्षण को लेकर अंतिम स्तर की सुनवाई होगी। दरअसल चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष ओबीसी आरक्षण के मामले पर अंतिम सुनवाई विगत दिनों टल गई थी। सुप्रीम कोर्ट की याचिकाओं का रिकार्ड पेश नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया था। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य शासन को सुप्रीम कोर्ट से रिकॉर्ड ट्रांसफर कराने के निर्देश दिए थे। ये दस्तावेज अपलोड होने के बाद ही सुनवाई शुरू होने की व्यवस्था दी गई थी। कोर्ट ने 13, 14 और 15 मई को अंतिम सुनवाई करने के निर्देश दिए थे। उक्त मामले में सुप्रीम कोर्ट से ट्रांसफर हुई चार लंबित याचिकाओं की अब तक लिस्टिंग नहीं की गई थी। ओबीसी आरक्षण मामले की सुनवाई 27, 28 और 29 अप्रैल को लगातार होनी थी, लेकिन दूसरे दिन ही तकनीकी कारणों के चलते यह टल गई। 27 अप्रैल को कोर्ट ने सभी पक्षों केहै अधिवक्ताओं के लिए बहस की समय सीमा तय कर दी थी। 28 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने हाईकोर्ट में जीएडी का 27 अप्रैल 2026 का आदेश प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया था कि सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज सरकार की ओर से पक्ष रखेंगे।

रामसागर तालाब में डूबे अर्जुन का शव मिला, इरावत का सुराग नहीं

जबलपुर। गोसलपुर थाना अंतर्गत रामसागर तालाब में नहाने गए तीन दोस्तों में से दो दोस्त गहरे पानी में समा गए थे मंगलवार सुबह से रेस्क्यू टीम ने तलाश के लिए सर्चिंग की। इस दौरान अर्जुन का शव बरामद कर लिया है, लेकिन उसके साथी इरावत की तलाश देर शाम तक चली उसका पता नहीं चल सका। अंधेरा होने के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया गया। आज पुनः उसकी तलाश में रेस्क्यू चलेगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोसलपुर की झुग्गी बस्ती में रहने वाले तीन दोस्त इरावत, अर्जुन और करण सोमवार शाम करीब 5 बजे रामसागर तालाब में नहाने पहुँचे थे। तीनों मस्ती कर रहे थे, तभी अचानक इरावत का पैर फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में चला गया। इरावत को डूबता देख उसे बचाने के लिए अर्जुन ने बिना सोचे-समझे छलांग लगा दी। हालांकि, पानी गहरा होने के कारण अर्जुन भी खुद को संभाल नहीं पाया और देखते ही देखते दोनों युवक आंखों से ओझल हो गए। घटना के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम मौके पर पहुँची। रात करीब 9 बजे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन अंधेरा अधिक होने और तालाब में झाड़ियाँ होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह 6 बजे से एसडीआरएफ और गोताखोरों ने फिर से मोर्चा संभाला। सुबह लगभग 10 बजे अर्जुन का शव तालाब के बीचों-बीच झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। जैसे ही अर्जुन का शव बाहर निकाला गया, किनारे पर मौजूद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। वहीं, इरावत का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। टीम ने सर्चिंग का दायरा बढ़ा लेकिन देर शाम तक सुराग नहीं लगा।

जबलपुर में 17 को होगी सहायक कुल सचिव परीक्षा

जबलपुर । मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक कुल सचिव परीक्षा-2025 का आयोजन आगामी 17 मई को जबलपुर के 8 केंद्रों पर किया जा रहा है। यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक एक ही सत्र में ऑफलाइन पद्धति से संपन्न होगी। संभागायुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिला कोषालय जबलपुर से प्रश्नपत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं के पैकेट्स प्राप्त कर परीक्षा केन्द्रों तक पहुँचाने व परीक्षा उपरांत समस्त गोपनीय एवं अगोपनीय सामग्री केन्द्र से वापस प्राप्त कर जिला कोषालय जबलपुर में जमा करने के साथ परीक्षा केन्द्रों में शांति व्यवस्था बनाये रखने व परीक्षा में सहयोग के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में प्राधिकृत अधिकारी व रिजर्व प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है एवं परीक्षा से संबंधित समस्त कार्यवाही आयोग द्वारा दिये गये ।

सरेराह चाकू से गोदकर युवक की हत्या

उधारी के पैसे मांगने पर बौखलाएं बदमाश
शाहीनाका चौराहे में दिनदहाड़े वारदात

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत शाहीनाका चौराहा में मंगलवार दिनदहाड़े उधारी के पैसे मांगने पर बौखलाएं बदमाशों ने एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम मौका-ए-वारदात पर पहुंच गई और घटना स्थल से अहम साक्ष्य जुटाते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक यश उर्फ आशू साहू पिता नारायण प्रसाद साहू 25 वर्ष निवासी शाही नाका संजीवनीनगर का किराना दुकान घर पर चलाता है। मंगलवार दोपहर 1.30 बजे उसके बड़े भाई आयुष उर्फ निक्की साहू का वाद विवाद हो गया वे उसे बुलाने शाहीनाका चौराहा अम्बा टेंट हाउस के पास पहुंचा तो वहां पर खड़े रोहन पटेल, आयुष श्रीपाल व एक अन्य उसके बड़े भाई आयुष साहू से मारपीट करने लगे। रोहन पटेल ने चाकू निकालकर आयुष साहू की जांघ में ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में आयुष को चोटें आ गई और हमलावर मौके से फरार हो गए । इसके बाद आयुष को परिजन उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया । सूचना पर पुलिस पहुंच गई इसके बाद थाने की गाड़ी से उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

6 माह पहले दिए थे 15 हजार उधार

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि आयुष ने रोहन पटेल को 6 माह पहले 15 हजार रुपये उधार दिये थे उसी बात को लेकर अपने पैसे आयुष ने मांगे तो रोहन पटेल, आयुष श्रीपाल व अन्य एक लड़के ने चाकू से तीन वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

19 .52 लाख की साइबर ठगी, 5 एफआईआर दर्ज

शेयर ट्रेडिंग, मोबाइल हैक, एपीके फाइल डाउनलोड कराते हुए खातों से उड़ाई रकम

रेल्वे अस्सिटेंट लोको पायलट, व्यापारियों समेत सिविल इंजीनियर मैनेजर ठगी का शिकार

जबलपुर । साइबर हर दिन नए-नए पैंतरे आजमा कर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे है। गोराबाजार में दो घमापुर में दो और मदनमहल थाने में एक साइबर ठगी की एफआईआर दर्ज हुई है जिसमें साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग, मोबाईल हैक कर, पेटीएम का डिब्बा बंद करने के नाम, शादी कार्ड की एपीके फाईल डाउनलोड करवाते हुए रेल्वे अस्सिटेंट लोको पायलट, व्यापारियों समेत सिविल इंजीनियर मैनेजर को चपत लगाई। ठगों ने खातों से करीब 19 लाख 52,276 रूपए की रकम उड़ाई है।

गोराबाजार पुलिस ने बताया कि राजेन्द्र साहू 64 वर्ष निवासी तिलहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कपड़े की दुकान में काम करता है एक्सीडेण्ट होने से लगभग 8 माह से घर में रह रहा है। महेश नाम का व्यक्ति घर आया और बेटा आशीष से बोला कि मैं दूल्हा शोरूम के पास गोरखपुर से आया है आपके यहां से पेटीएम का डिब्बा बंद करने की कम्पलेंट आई है आपका पेटीएम डिब्बा बंद करने आया है बेटे से मोबाइल मांगा तो बेटे ने मोबाइल दे दिया फिर मोबाइल में कुछ किया और मोबाइल देते हुये बोला कि आपका डिब्बा बंद हो गया है। बाद में जब उसने बैंक स्टेटमेंट में देखा तो अकाउण्ट में 2 रूपये ही बचे हैं। कुल 1 लाख 66 हजार 500 रूपए निकाल उसके साथ आनलाईन फ्रॉड हुआ है। इसी प्रकार गोराबाजार थाने में आशित कुमार गर्ग 38 वर्ष निवासी कजरवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह घनसौर में झाबुआ पावर प्लांट में सिविल इंजीनियर मैनेजर के पद पर कार्य करता है। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर उसके साथ कुल 12 लाख 28 हजार रूपये की आनलाइन धोखाधड़ी हुई है। इसी प्रकार घमापुर थाने में प्रवीण कुमार रैकवार 39 वर्ष निवासी गोपाल होटल लालमाटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रेल्वे में अस्सिटेंट लोको पायलट है। उसके पास कोई कॉल या मैसेज नहीं आया लेकिन दो खातों से 2 लाख 43 हजार 776 रूपये कट गये है। ठग ने मोबाईल हैक करके ट्रांजैक्शन किया है।

शादी का कार्ड डाउनलोड करते ही खाता खाली

इसी प्रकार मदनमहल थाने में गौरव जैन 42 वर्ष निवासी अग्रवाल कालोनी मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह पीओपी की दुकान का संचालन करता है। सिविक सैंटर स्थित यश बैंक में उसका एकाउंट है उसके परिचित वीरेन्द्र चौबे के वाट्सअप से शादी कार्ड की एपीके फाईल आई जिसे उसने खोलने की कोशिश की तभी उसका मोबाईल हैक हो गया था। उसके खातों से 1 लाख 50 हजार व 54 हजार रूपये का ट्रांजैक्शन हुआ है।

मोबाइल हुआ बंद, दूसरे मोबाइल में सिम लगाई तो दिखा ट्रांजेक्शन

इसी प्रकार घमापुर थाने में तुलसीदास गौतम 48 वर्ष निवासी द्वारका नगर लालमाटी ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह गौतम गिफ्ट स्टोर दुकान का संचालक है। उसका मोबाइल अचानक हैक होकर बंद हो गया । शंका होने पर दूसरे मोबाईल पर सिम डालकर चैक किया तब पता चला कि उसके एक एकाउंट उत्कर्ष फायनेंस बैंक राईट टाउन एवं दूसरे एसबीआई बैंक घमापुर के एकाउंट से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 3 ट्रांजेक्शन कर लगभग 1 लाख 10 हजार रूपये निकाल लिये गये है।

नशेड़ी पति से तंग आकर पत्नी ने की थी खुदकुशी

जबलपुर । कटंगी थाना अंतर्गत नदान फाल के पास वार्ड नं 01 कूड़न मोहल्ला निवासी एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी । मर्ग जांच में खुलासा हुआ कि मृतिका ने नशेड़ी पति की प्रताड़ना से तंग आकर यह आत्मघाती कदम उठाया था। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाटन लोकेश डाबर ने बताया कि नेहा उर्फ मुस्कान कोल 20 वर्ष की शादी लगभग 2 वर्ष पूर्व कन्हैया कोल निवासी ग्राम पोडा बाजार सिहोरा जिला जबलपुर से लव मैरिज की थी जिससे एक लडका 1 वर्ष का है शादी के बाद से ही दोनों निदान फाल के पास झोपडी बनाकर ईंट भट्टे में मजदूरी का काम करते थे। 14 अप्रैल को नेहा ने झोपडी की लकडी की म्यार में साडी से फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम किया । मृतिका नेहा उर्फ मुस्कान के मायके पक्ष के बयान दर्ज किए गए। जिसमें यह बात सामने आई कि मृतिका को उसके पति कन्हैया कोल के द्वारा रोज रोज शराब पीकर झगड़ा करता था।

कर्मचारियों के शोषण के खिलाफ निकाला गया मशाल जुलूस

- पूर्व विधायक ने नेतृत्व में भरी हुंकार
- आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ कांग्रेसियों का उमड़ा सैलाब

नवभारत,जबलपुर। नगर निगम के सफाई ठेके में काम पर लगाए गए सफाई मित्रों एवं विभिन्न विभागों में काम पर लगाए गए आउटसोर्स कर्मचारियों के आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण का विरोध अब सड़कों पर नजर आ रहा है। पूर्व विधायक विनय सक्सेना के नेतृत्व में मंगलवार को मालवीय चौक से विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। इस दौरान महिला नेत्रियों ने भी हाथों में मोमबत्ती लेकर प्रतीकात्मक विरोध जताया। इस मशाल जुलूस में कांग्रेस पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ सफाई ठेका कर्मचारी और आउटसोर्स कर्मी की बड़ी तादाद मौजूद थी। सभी कर्मचारियों ने शासकीय नियमों और ठेका नियम शर्तों के मुताबिक अपने अधिकारों की रक्षा की आवाज़ बुलंद की और नगरनिगम में ठेकेदार, अफसरों और सत्ताधीशों के बीच सांठगांठ और शोषण के खेल को उजागर किया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने बताया है कि कर्मचारियों को कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी नहीं दी जा रही बल्कि आज भी उनकी दिहाड़ी 220 रुपये मात्र है? सिर्फ इतना ही नहीं नगर निगम ठेकेदार को 30 दिन का वेतन दे रहा है मगर ठेकेदार कर्मचारियों मात्र 26 दिन की मजदूरी ही दे रहा है? नियम अनुसार कर्मचारियों के पीएफ और ईएसआईसी की राशि भी ठेकेदार द्वारा जमा नहीं की जा रही जिससे भविष्य में भी कर्मचारियों को कोई लाभ या सहायता मिलने वाली नहीं है?

सुरक्षाकर्मी पर हमला, फाड़ी वर्दी, पथराव

प्रतिबंधित क्षेत्र में नहाने से रोकने पर विवाद

जबलपुर। बरगी बांध में प्रतिबंधित क्षेत्र में नहाने से रोकने पर उपजे विवाद पर एक दंपति और उनके साथियों द्वारा शासकीय ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा सैनिक के साथ अभद्रता कर आरोपियों ने न केवल सुरक्षाकर्मी की वर्दी फाड़ी, बल्कि ड्यूटी से लौटते समय उसे रास्ते में घेरकर डंडों और पत्थरों से हमला भी किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर निवासी मनोज कुमार कटारिया (61) वरिष्ठ सुरक्षा सैनिक के पद पर पदस्थ है उसकी ड्यूटी रानी अवन्ती बाई जल विधुत गृह के मुख्य गेट पर है। जब वे बरगी जल विद्युत गृह के मुख्य गेट पर तैनात थे तभी ग्राम बिजौरा निवासी जम्मन बर्मन अपनी पत्नी पुष्पा और एक अन्य साथी के साथ वहां पहुंचा। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर वे पाइप खींचकर नहाने लगे। जब मनोज कुमार ने उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र से जाने को कहा, तो आरोपी विवाद उतर आए।

पत्नी ने की झूमाझटकी, वर्दी फाड़ी, पति ने चलाए पत्थर

विवाद इतना बढ़ा कि पुष्पा बर्मन ने गेट के भीतर प्रवेश कर सुरक्षाकर्मी के साथ झूमाझटकी की और उनकी वर्दी फाड़ दी।

इस दौरान जम्मन बर्मन ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। कुछ ही देर में अंशु और शिवम बर्मन नाम के दो अन्य युवक भी वहां पाइप लेकर आ पहुंचे और नशे की हालत में सुरक्षाकर्मी को बाहर निकलने की धमकी देने लगे। खुद को असुरक्षित देख पीड़ित ने गेट में ताला लगा लिया।

घेरकर किया लहूलुहान

जब मनोज कुमार अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे, तब पुष्पा, अंशु और शिवम बर्मन ने पावर हाउस के पास उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ, पैर और पसलियों में गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने रिपोर्ट पर अब आरोपी जम्मन बर्मन, पुष्पा बर्मन, अंशु बर्मन और शिवम बर्मन के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

डॉक्टर के सूने घर से जेवर, नकदी ले गए चोर

जबलपुर । लार्डगंज थाना अंतर्गत गणेश नगर में चोरों ने एक डॉक्टर के सूने घर का ताला तोड़कर जेवर, नकदी पार कर दी। पुलिस के मुताबिक प्रदीप कुमार पांडे 41 वर्ष निवासी गणेश नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पेशे से डाक्टर है। सपरिवार भिटोनी शहपुरा रिश्तेदारी में गया था। घर वापस आकर मेन गेट खोलकर देखा दरवाजे का ताला नहीं था दरवाजा पर चटकनी लगी थी ताला टूटा हुआ गमले के पास पड़ा था अंदर कमरे में सामान फैला हुआ आलमारी खुली हुयी थी जिसमें रखी चांदी की एक जोड़ी चांदी की पायल, बिछिया, सोने की अंगूठी, नगदी 25 हजार रूपये एवं वायरलेस एयरफोन गायब था।

बैठक | समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने अधिकारियों को दिये निर्देश

स्वच्छ सर्वेक्षण के कार्यों को टीम भावना के साथ करें पूरा : निगमायुक्त

नवभारत,जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर नगर निगम अब पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने विभाग के समस्त अधिकारियों और टीम के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना और आगामी सर्वेक्षण में जबलपुर को शीर्ष स्थान पर स्थापित करना रहा।

बैठक के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि स्वच्छता कोई व्यक्तिगत कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने टीम को संबोधित करते हुए कहा कि जब पूरी टीम एक लक्ष्य और टीम भावना के साथ कार्य करेगी, तभी हम शहर की सूरत बदलने में सफल होंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को मैदानी स्तर पर एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं स्वच्छता मानकों की गंभीरता को देखते हुए निगमायुक्त ने कड़े निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण से संबंधित किसी भी कार्य में रत्ती भर भी कोताही न बरती जाए। बैठक में मौजूद टीम के सदस्यों ने भी पूर्ण निष्ठा और ऊर्जा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।